महत्वपूर्ण एवं खास

मतदान केन्द्र में लापरवाही बरतने पर सहायक शिक्षक निलंबित

रायपुर। तीसरे चरण में मतदान केन्द्र में लापरवाही बरतने वाले सहायक शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुब्रत साहू ने बताया कि कोरिया जिला अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 02 मनेन्द्रगढ़ के मतदान केन्द्र क्रमांक 148 बड़ा बाजार के मतदान अधिकारी क्रमांक 03 संदीप कुमार शर्मा सहायक शिक्षक (एल.बी.) को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्र में पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया है।

सीआरपीएफ जवान का पार्षद से विवाद

कोरबा। बालको क्षेत्र के भाजपा पार्षद ने मतदान केंद्र में मौजूद एक सीआरपीएफ के जवान पर वोट नहीं डालने देने का आरोप लगाया। शिकायत के बाद उक्त जवान को केन्द्र से हटा दिया गया। बालको क्षेत्र के भाजपा पार्षद हितानंद अग्रवाल ने क्षेत्र के परसाभाठा स्थित मतदान केन्द्र में कार्यरत सीआरपीएफ के जवान पर वोट नहीं डालने देने का आरोप लगाते हुए बताया कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने भगवा रंग का गमछा अपने कंधे पर डाल रखा था। श्री अग्रवाल ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई तो जवान ने दुर्व्यवहार किया। इस बात को लेकर काफी हंगामा पार्षद व जवान के मध्य होता रहा। इसकी शिकायत उपरांत उक्त कर्मी को मतदान केन्द्र से हटाने की कार्यवाही की जानकारी श्री अग्रवाल ने दी है।

घरेलू विवाद के चलते पत्नी को मारा,मामला दर्ज

रायपुर। घरेलू विवाद के चलते पति ने पत्नी के साथ मारपीट किया। घटना की रिपोर्ट गुढ़ियारी थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार रामनगर नगर गोकुल नगर रायपुर निवासी प्रार्थिया गीता साहू 28वर्ष पति विनोद साहू ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 23 अप्रैल को गोकुलनगर में पति ने प्रार्थिया के साथ गाली-गलोज करते हुये मारपीट कर चोट पहुंचाया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294,506,323 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

विभाग ने सड़के के बीचों-बीच गाड़ दिया खंबा

जगदलपुर। शहर से लगे गांव बाबूसेमरा में बुरुंदवाड़ा जाने वाली सड़क पर बीचोंबीच बिजली का खंभा होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। बताया जाता है कि खंभा लगाने के दौरान बिजली कंपनी के लोगों को इसे किनारे लगाने कहा गया था, लेकिन इसे बीच में ही लगा दिया गया है। ऐसे में लोग इस खंभे के कारण हादसों से दो-चार होते रहते हैं। कई बार लोग खुद को बचा लेते हैं तो कभी वे खंभे में भिड़ भी जाते हैं। ग्रामीणों ने इस खंभे को हटाकर सड़क किनारे लगाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इस रास्ते पर अक्सर दोपहिया वाहन गुजरते हैं।

पावर हाउस फल मंडी में किसानों से मारपीट, मामला दर्ज

भिलाई। शहर के पावर हाउस स्थित फल मंडी में बुधवार अल सुबह खरबूजा लेकर आए तीन किसानों से दलाल और उसके हम्मालों ने जमकर मारपीट कर दी। मारपीट में घायल किसानों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं घटना से आहत किसान संघ के नेता सुबह 9 बजे छावनी थाना पहुंच गए। जिसके बाद दलाल सहित चार लोगों के खिलाफमामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना का मुख्य आरोपी फरार है। वहीं इस मामले में एक हम्माल को गिरफ्तार करके पूछताछ की जा रही है। मासूर गोढ़ी गांव से खरबूजा लेकर बुधवार सुबह किसान प्रकाश पटेल, महेंद्र पटेल और शिव पटेल पावरहाउस फल मंडी पहुंचे थे। इसी बीच खरबूजा उतारते वक्त एक हमाल ने किसानों के साथ गाली-गलौच कर दी। धीरे-धीरे विवाद बढ़ गया। हम्मालों के साथ दलालों ने भी किसानों की जमकर धुलाई कर दी। किसान महेंद्र पटेल को सिर पर गंभीर चोट लगी है। उसे तत्काल पुलिस की मौजूदगी में अस्पताल पहुंचाया गया। प्रकाश पटेल के पैर पर चोट लगी है। फल लेकर मंडी पहुंचे किसानों को दलाल और उसके हमालों ने डंडे और लात घूसों से जमकर पीटा है। इस घटना से किसानों में जमकर आक्रोश है। बताया जा रहा है कि किसानों ने घटना की शिकायत कृषि मंत्री रविंद्र चौबे से भी की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अज्ञात लोगों ने की वाहनों की जांच, मंत्री पुत्र हरीश को पूछते रहे

दंतेवाड़ा। कुआकोंडा थाना से 3 किलोमीटर दूर दंतेवाड़ा- सुकमा मार्ग पर अज्ञात लोगों के द्वारा इस रास्ते से आने जाने वाली वाहनों की जांच की गई। तलाशी करने वाले मंत्री के बेटे हरीश कवासी के संबंध में पूछताछ करते रहे। जांच करने वाले कौन थे इसकी पतासाजी पुलिस कर रही है। इस घटना के बाद में हड़कंप की स्थिति है। जानकारी के मुताबिक वाहनों को रोकने और पूछताछ करने की खबर के बाद अफरा तफरी मच गई। इसकी दंतेवाड़ा एसपी सहित कुआकोंडा थाने को भी मिली। इसके बाद मौके पर जवानों को भेजा गया मगर तब वहां कोई नही मिला। जिस जगह संदिग्ध लोग वाहनों की तलाशी ले रहे थे वहां से कुछ दूरी पर रेंगानार में सीआरपीएफ बटालियन भी तैनात है। लोगों ने बताया कि गाड़ी को रोकने के बाद संदिग्ध लोग उनसे हरीश कवासी की गाड़ी का पता पूछ रहे थे। दरअसल सुकमा, गादीरास सहित दूसरी जगह से भी बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि सहित आम लोग भीमा मंडावी की तेरहवीं में शामिल होने दंतेवाड़ा गए हुए थे जो देर शाम तक लौट रहे थे। बाइक सवार लोगों से भी पीछे कौन कौन सी गाड़ी आ रही है इसकी जानकारी अज्ञात लोग ले रहे थे। हरीश कवासी ने कहा कि वे दंतेवाड़ा नहीं गए थे और न ही उस ओर जाने का कोई कार्यक्रम था। गाड़ी रोक मेरा पता पूछने वाले कौन लोग हैं।

स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स ने की दिव्यांग, बुजुर्ग मतदाताओं की सेवा

कोरबा। मंगलवार को देश के लोकतंत्र के महापर्व में जिले के स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स ने सेवा कार्य के रूप में भागीदारी की। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र में स्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों में दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक तथा शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं को सहयोग प्रदान किया गया।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरबा द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती किरण कौशल के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों में सेवा कार्य के लिए कुल 669 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स,

रेंजर्स तैयार किए गए थे। ज्यादातर स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स को उन मतदान केन्द्रों में तैनात किया गया था, जहां दिव्यांग मतदाताओं की अधिक संख्या थी। मतदान केन्द्रों में स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स वोटिंग खत्म होने तक डटे हुए थे। दिव्यांग, बुजुर्ग और शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं को सहयोग प्रदान करने के अलावा कतार में लगे सामान्य मतदाताओं को पानी पिलाने का कार्य भी किया गया। कई दिव्यांग व बीमार मतदाताओं को ऑटो, दो पहिया व चार पहिया वाहनों के जरिए उनके घरों से मतदान केन्द्रों तक लाया गया तथा उन्हें वापस घर तक छोड़ा गया। संगवारी केन्द्रों में गाइड्स ने सेवा कार्य के अलावा मतदान करने पहुंचने वाली महिलाओं का तिलक लगाकर अभिनंदन भी किया। मतदान केन्द्रों में सेवा कार्य के निरीक्षण के लिए जिला संगठन आयुक्त उत्तरा मानिकपुरी के नेतृत्व में रोवर्स की टीम भी लगी हुई थी। मतदान केन्द्रों में सेवा कार्य डिप्टी कलेक्टर संजय कुमार मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी सतीश कुमार पांडे, जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद सादिक शेख के मार्गदर्शन में संपादित हुआ। इस कार्य में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला व विकासखण्ड स्तर के पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों व ओपन टीमों के स्काउट मास्टर, गाइड केप्टिन, रोवर व रेंजर लीडर्स भी जुटे हुए थे।

संवेदनशील मतदान केन्द्रों की दिल्ली तक हुई निगरानी

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के आज हुए चुनाव की वेबकॉस्टिंग व्दारा लगातार नजर रखी गई। 425 में से 385 संवेदनशील मतदान केन्द्रों की सीधे वेबकॉस्टिंग हुई। शेष 37 मतदान केन्द्रों में सिग्नल नहीं मिलने के कारण उनकी ऑफ लाईन रिकार्डिंग भी की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर डॉ. बसवराजु एस. ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 425 संवेदनशील मतदान केन्द्रों की निगरानी के लिए वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। इस वेबकॉस्टिंग के व्दारा भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली, सीईओ छत्तीसगढ़ तथा जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में अधिकारियों ने इसका सीधा प्रसारण देखा।

वेबकॉस्टिंग के लिए मतदान केन्द्रों में 3 मेगा पिक्सल के वॉल माउन्टिंग कैमरे लगाए गए थे। इसमें वाईफाई राऊटर के सिगनल प्रसारण के वेबसाईट को भेजे गए। साथ ही प्रसारण की रिकार्डिंग वेबकैम में लगी 8 जीबी की चिप्स में की गई। इसकी रिकार्डिंग क्लॉऊड में भी की गई। वेबकॉस्टिंग के माध्यम से मतदान केन्द्रों की लगातार निगरानी की गई। इसमें जिन संवेदनशील मतदान केन्द्रों के अंदर में ज्यादा भीड़ रही वहां के सेक्टर अधिकारियों को समय समय पर निर्देश दिए गए ताकि मतदान सुगमता से हो।

चुनाव संपन्न कराने के बाद मतदान दल लौट रहे राजधानी

रायपुर। तीसरे चरण में सात लोकसभा क्षेत्रों में मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराने के बाद सभी क्षेत्रों से मतदान दलों ईवीएम व वीवीपैट मशीनों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ लेकर राजधानी रायपुर लौट रहे है और इन मशीनों को स्ट्रांग रूम में तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा जा रहा है।

प्रदेश के सात लोकसभा सीटों पर मंगलवार को चुनाव शांतिरूप से संपन्न हुआ। तीसरे चरण में कुल 43 सहायक मतदान केन्द्र सहित कुल 15 हजार 408 मतदान केन्द्र बनाए गए थे। इसके लिए कुल 67 हजार 796 मतदान कार्मिक एवं 2377 माइक्रो आब्जर्वर नियुक्त किये गये थे। चुनाव संपन्न कराने के बाद कई लोकसभा क्षेत्रों से कल देर शाम, रात तक भी कई मतदान कार्मिक दल कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रायपुर वापस लौट चुके थे। वहीं दूरस्थ अंचलों से कई मतदान दल आज भी रायपुर पहुंच रहे है। सभी मतदान कार्मिक दलों को सीधे रायपुर में स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज स्ट्रांग रूम पहुंचने के लिए कहा गया। यहां प्रत्याशियों के ईवीएम व वीवीपैट मशीनों में बंद मतदाताओं का फैसला तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में पैरामिल्ट्री फोर्स, जिला बल और सीएएफके करीब 400 जवानों को तैनात किया गया है।

माँ-बेटी पर चाकू से हमला, माँ की मौत,बेटी गम्भीर

रायगढ़। जिले के छाल थानांतर्गत कांसाबहार गाँव में अज्ञात कारणों से माँ एवं बेटी पर किया चाकू से जानलेवा हमला किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के ही राजा चावले ने घटना को अंजाम है। हमले में दिलमती मंझवार पति महेश मंझवार 45 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वही 7 वर्षीय बालिका मंजू की हालत गंभीर है। जिसकी छाल अस्पताल में ईलाज जारी है। वही आरोपी राजा चावले को खरसिया रेल्वे स्टेशन में किया गिरफ्तार किया गया है। वारदात को अंजाम देकर भागने के फिराक में था आरोपी।

गरमी में इजाफा होते ही मेकाहारा जिला अस्पताल एवं एम्स में लगी मरीजों की कतार

गरमी में होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने किये पुख्ता इंतजाम

रायपुर। चैत्र मास खत्म होते ही बैशाख की कड़ी धूप के चलते गरमी ने अब अपना असर दिखाना शुरु कर दिया है। दिन में एवं रात के तापमान में इजाफा होते ही चक्कर जी मिचलाना, उल्टी-दस्त, डायरिया एवं मौसम में होने वाली तब्दिलियों के चलते मेकाहारा एम्स जिला अस्पताल एवं प्रदेश के जिला मुख्यालयों में स्थित सरकारी अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उक्त बीमारियों से पीड़ित मरीजों की कतार लगने की जानकारी मिली है। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों के अनुसार ग्रीष्म ऋतु में होने वाली बीमारियों की

रोकथाम के लिए स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव एवं प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निर्देश पर दवा आदि का पुख्ता इंतजाम किया गया है। 27 जिलों के जिला चिकित्सालयों में पदस्थ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को आपातकालीन दशा में उत्पन्न स्थिति के लिए सर्तक रहने कहा गया है। महामारी की स्थिति में नियंत्रण के लिए मंत्रालय में पदस्थ अधिकारियों को शिकायत मिलने पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये गये है।

अक्षय तृतीया के पर रिकार्ड तोड़ विवाह होंगे

सराफा में जेवर खरीदने के लिए लोगों की लग रही भीड़

रायपुर। शादी-विवाह के मुहुर्त में अक्षय तृतीया के दिन होने वाले विवाह को अमृत सिध्दी योग के रुप में शुमार किया जाता है। उक्त तिथि पर संपूर्ण भारत में सर्वाधिक विवाह होते है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 7 मई को है। इसके चलते विवाह आदि की सामग्री खरीदने के लिए शहर के प्रमुख बाजारों गोलबाजार, मालवीय रोड, सदर बाजार स्थित सराफा मार्केट एवं विभिन्न

माल्स में बड़े स्तर पर खरीदी करने के लिए लड़का लड़की के परिवार वाले दिखाई दे रहे है। सराफा सूत्रों के अनुसार दिवाली के बाद सर्वाधिक बिक्री अक्षय तृतीया मुहुर्त के लिए की जाती है। इस मुहुर्त पर शादी करने के लिए सर्वाधिक लोग जेवर, सोना आदि खरीदी करने के लिए आभूषण दुकानों में पहुंचते है। इन दिनों शाम 5 बजे से देर रात 10 बजे तक सदर बाजार की सराफा दुकानों में वर-वधु पक्ष के लोग आधुनिकतम डिजाईन के गहने खरीदते दिखाई दे रहे है। ज्ञातव्य है कि कई परिवार अक्षय तृतीया पर भवन खाली नहीं होने के कारण एवं पंडित नहीं मिलने के कारण विवाह की तिथि बढ़ाने पर मजबूर होते है। पंडितों के अनुसार साल में विवाह कराने के लिए अक्षय तृतीया मुहुर्त के लिए अग्रिम बुकिंग भी पंडितों की होती है। पं. रमाशंकर तिवारी के अनुसार एक-एक पंडित अक्षय तृतीया पर 7 से लेकर 8 जजमानों के घर विवाह कार्य सम्पन्न करवाते है।

शानदार जीत के प्रति भाजपा-कांग्रेस दोनों आश्वस्त

रायपुर। राज्य में तीसरे चरण के तहत कल सात लोकसभा सीटों के लिए मतदान संपन्न हो चुका है। राज्य की सभी सात सीटों पर हुए अच्छे मतदान से कांग्रेस और भाजपा दोनों ही प्रमुख दलों ने इसे अपने-अपने लिए अच्छा संकेत माना है। लेकिन यह कहना मुश्किल है कि मतदाताओं का रुझान किस ओर रहा। इधर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव परिणाम चाहे जो हों, नुकसान केवल भाजपा को ही उठाना पड़ेगा। इसका प्रमुख कारण यह है कि वर्ष 2014 में भाजपा की झोली में 10 सीट और कांग्रेस के पाले में एक सीट थी। राज्य में यदि कांग्रेस की सीट बढ़ी तो इसका खामियाजा निश्चित रूप से भाजपा को ही उठाना पड़ेगा। राज्य की 11 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो चुका है, लेकिन तस्वीर अभी भी धुंधली ही बनी हुई है। तीसरे चरण के तहत कल प्रदेश के शेष 7 सीटों पर मतदान संपन्न हुआ है। मतदाताओं के भारी उत्साह के बाद सातों सीट पर ताबड़तोड़ मतदान से कांग्रेस और भाजपा के रणनीतिकार भी प्रसन्न दिखाई दिए। लेकिन यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि मतदाताओं का रुझान किस ओर रहा।

स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां लगते ही लंबी दूरी की ट्रेनों में बढ़ी भीड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के कारण कई स्कूलों में छुट्टियां लग चुकी है, वहीं कई स्कूल अभी भी खुल रहे है, जिन स्कूलों में अभी भी छुट्टियां नहीं लगी है उन स्कूलों में भी चालू माहांत तक छुट्टिया लग जाएगी। गर्मी की छुट्टियां लगते ही ट्रेनों में भी भीड़ बढ़ गई है। बच्चे अपने परिजनों के साथ गर्मी की छुट्टियां मनाने दूसरे राज्यों के विभिन्न धार्मिक व पर्यटक स्थलों में जाते है तो कोई अपने रिश्तेदारों के यहां घुमने जाते है। इसलिए कई लोगों ने पहले से ही ट्रेनों में रिजर्वेसन करा रखे है, जिसके चलते लंबी दूरी की कई ट्रेनों में रिजर्वेसन की वेटिंग

लिस्ट बढ़ी हुई है। छत्तीसगढ़ में गर्मी के दिनों में स्कूलों में छुट्टियां जैसे ही लगती है वैसे ही लंबी दूरी की ट्रेनों में भी भीड़ बढ़ जाती है, जिसके चलते ट्रेनों में लोगों को कन्फर्म टिकट नहीं मिल पाता। छत्तीसगढ़ से होकर अन्य राज्यों में जाने वाली ज्यादातर ट्रेनों इन दिनों हाउस फूल चल रही है। ट्रेनों में रिजर्वेसन कराने पहुंच रहे लोगों को कन्फर्म टिकिट नहीं मिल पा रही है।

प्रदेश के जलसंसाधन विभाग को नहीं मालूम की समझौते के बाद उड़ीसा से कितना पानी मिला

जगदलपुर। प्रदेश के जल संसाधन विभाग ने 2012 के बाद से ओड़िशा से इंद्रावती में आने वाले पानी की मात्रा का माप ही नहीं किया और उसके पास यह प्रमाण नहीं है कि ओड़िशा से कितना पानी 1975 में हुए जल बंटवारे के समझौते के तहत प्राप्त हुआ। इस तथ्य की जल संसाधन विभाग ने अनदेखी कर प्रदेश के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार दिखाया है।

यह भी प्रमुख तथ्य है कि स्थानीय जल संसाधन विभाग ने अब तक केंद्रीय जल आयोग से रिपोर्ट तक मांगने की पहल नहीं की है और उसके पास ओड़िशा

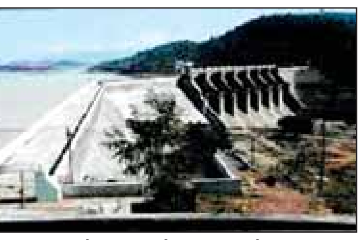

शासन से चर्चा के लिए कोई ठोस आधार नहीं है।

उल्लेखनीय है कि ओड़िशा ने 1975 में हुए जल बंटवारे के समझौते के अनुसार वर्ष 2012 के अनुसार अब तक कितना पानी इंद्रावती में प्रवाहित किया। इसके आंकड़े नहीं होने से यह स्पष्ट नहीं होता है कि बंटवारे के अनुसार प्रदेश को कितना पानी कम मिला या अधिक मिला। आज बस्तर में इंद्रावती में पानी नहीं है और कोसारटेडा बांध से पानी लेजाकर चित्रकोट जलप्रपात को जीवित किया गया है और स्थानीय स्तर पर इंद्रावती को जोरा नाला इंद्रावती के संगम पर स्थित कंट्रोल स्ट्रक्चर से वर्ष 2012 से कितना पानी प्राप्त हुआ। यह तो सभी जन साधारण को विदित है कि ओड़िशा से बंटवारे के समझौते के अनुसार पानी नहीं मिल रहा है और इंद्रावती बस्तर में सूख रही है। इस संबंध में यह भी विशेष तथ्य है कि प्रदेश सरकार भी इस संबंध में अभी तक कोई ठोस पहल नहीं कर सकी है। आज के स्थिति में प्रदेश सरकार